एक नजर में

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में कन्या विद्यालय की छात्राओं ने लहराया परचम

सनावद, निप्र। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। पीटीआई राधेश्याम कुमरावत ने बताया कि सीनियर वर्ग में श्री योगी, प्रियांशी और प्रज्ञा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की की। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया। दिनेश मंडलोई, ओंकार लाल मुकाती, लता गुप्ता, सूरज वर्मा, पदमा मुकाती और उषा पगारे सहित अन्य ने छात्राओं को बधाई दी और उनके उवल भविष्य की कामना की। यह सफलता न केवल विद्यालय बल्कि पूरे सनावद के लिए गर्व का विषय है।

गोवर्धन पर्व परंपरागत तरीके से मनाया

कसरावद, निप्र। गांव सहित क्षेत्र में आस्था व प्रकृति प्रेम का पर्व गोवर्धन पर्व परंपरागत तरीके से मनाया। भारतीय संस्कृति में अन्न, कृषि व पशुधन के प्रति सम्मान व कृतज्ञता व्यक्त करने वाले इस पर्व के दिन सुबह से ही उत्सव का माहौल शुरू हुआ। महिलाओं व बालिकाओं ने सामूहिक रूप से पूजन की तैयारी की। अपने घरों-खलिहानों के सामने गोबर से गोवर्धन भगवान की प्रतिकृति का निर्माण किया। हल्दी, कुमकुम व फूलों से सजाया। चावल के आटे से चौक बनाकर दीपक जलाए। गोवर्धन को कई तरह के पकवानों का भोग लगाया। गोवर्धन पूजा के साथ ही पशुधन का पूजन भी किया गया। पशुओं को स्नान करवाकर उनके सींगों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया। उन्हें माला पहनाकर विशेष भोजन खिलाया।

अपर कलेक्टर ने भावांतर योजना अंतर्गत मण्डी में सोयाबीन उपार्जन की तैयारियों का निरीक्षण किया

खरगोन, निप्र। अपर कलेक्टर रेखा राठौर ने 23 अक्टूबर को खरगोन अनाज मण्डी पहुंचकर 24 अक्टूबर से प्रारंभ हो रही भावांतर योजना के तहत सोयाबीन उपार्जन की तैयारियों का निरीक्षण किया। जिन किसानों ने भावांतर योजना अंतर्गत पंजीयन कराया है वे 15 जनवरी तक सोयाबीन का विक्रय मण्डी में कर सकते हैं। भावांतर योजना के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपये से कम लेकिन मण्डी मॉडल रेट से अधिक भाव प्राप्त होने पर विक्रय मूल्य और समर्थन मूल्य की अंतर की राशि, तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य और मण्डी मॉडल रेट दोनों से कम भाव प्राप्त होने पर मण्डी मॉडल रेट और समर्थन मूल्य के अंतर की राशि 15 दिवस के भीतर कृषकों के आधार लिंक बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री अनिल जैन, कृषि उप संचालक श्री एसएस राजपूत, मण्डी सचिव श्रीमती शर्मिला निनामा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बाल मनुहार पर कलेक्टर ने जताया स्नेह

खरगोन, निप्र। दीपावली पर कलेक्टर कार्यालय में उस वक्त कलेक्टर भव्या मित्तल भावुक हो उठी, जब 7 वर्षीय बच्ची मान्यता और मिलिंद गांगले अपने पिता के साथ उनसे मिलने पहुंचे। मान्यता भले ही नादान बच्ची है, लेकिन उसके मासूमियत भरे सवालों में उज्जवल भविष्य नजर आया। मान्यता ने कलेक्टर कैसे बने, आपको कलेक्टर क्यों बनना था, ज्यादातर कलेक्टर मेल क्यों होते हैं, पढ़ाई कैसे ओर कितनी करनी है, ऐसे सवालों को सुन कलेक्टर ने अपनी चेयर छोड़ मान्यता के पास आ पहुंची और उसे दुलार करते हुए उसके सवालों का सहजता से जवाब देते हुए जिज्ञासाओं को शांत किया। कलेक्टर ने कहा ऐसे सवाल बच्ची के भविष्य की राह और सोच को दर्शाते है।

आनंद क्लबों ने जिले में हर घर दिवाली, घर घर दिवाली अभियान बच्चों के बीच मनाया

खरगोन, निप्र। राज्य आनंद संस्थान द्वारा जिले में दिवाली पर्व को हर घर दिवाली, घर घर दिवाली अभियान के तहत मनाया गया। जिला नोडल अधिकारी आरएन शर्मा व जिला समन्वयक आनंद विभाग केबी मंसारे ने बताया कि जिले में आनंद और खुशी के त्योहार को आनंद क्लब सदस्यों तथा आम जनता की भागीदारी से ग्राम पलासी में निमाड़ आनंद क्लब द्वारा गंगाराम फाल्या में साधन-विहीन लोगों तक हर घर दिवाली के तहत उनके बीच जाकर मिठाई वितरण की गई। इस दौरान अपनी खुशी और आनंद में साधन-विहीन लोगों व बच्चों को परिवार का हिस्सा समझकर मिठाइयां खिलाईं। आनंद ग्राम पुनासला की एमबीबीएस छात्रा करीना पटेल ने कहा कि आनंद विभाग का यह कार्यक्रम बहुत सराहनीय है और हमारी हाईस्कूल में पदस्थ रहे मंसारे सर कुछ न कुछ नवाचार करते हैं, जिससे हमें बहुत खुशी होती है। दीपावली के पावन पर्व पर बच्चों के चेहरों पर भी खुशी और मुस्कान देख बहुत आनंद आया।

भाई-दूज पर बहनों ने भाई को किया तिलक, उतारी आरती

भाई- बहन के रिश्तें के सम्मान का उत्सव है भाई-दूज

खरगोन, निप्र। दीपावली पर्व रीति-रिवाज और परंपराओं को निभाने का उत्सव है। दीपावली के दूसरे दिन यम द्वितीया याने भाई-दूज गुरुवार को उमंग- उत्साह के साथ मनाई गई। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रति एक सम्मान है जो इस बंधन को और भी मजबूत बनाता है। सुबह से ही विवाहित बहनों के घर भाईयों की आवाजाही देखी गई। बहनों ने भी भाई की अच्छी सेहत एवं उसके खुशहाल जीवन की कामना लिए व्रत रखा। भाई के घर पहुंचने पर उसे पकवानों का भोज कराने के बाद खुद भी ग्रहण किया। इसके बाद उन्हें उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उत्सव की खुशियां साझा की। इसके साथ ही 5 दिवसीय दीपोत्सव का समापन भी हो गया है। उल्लेखनीय है कि भगवान सूर्य के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना दोनो भाई बहन है। किवदंती है कि यमराज ने यमुना की प्रार्थना पर कहा था कि जो भाई भाई दूज के दिन बहन के यहां तिलक करवाकर भोजन करेगा उसे मृत्यु के समय यमराज का भय नहीं रहता है।

भाई बहन के अटूट प्रेम का पर्व भाई दूज हर्षोल्लास से मनाया

कसरावद, निप्र। गुरुवार को भाई दूज का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे बहनों ने भाई को तिलक कर उनकी लंबी उम्र की कामना की वहीं भाईयो ने अपनी बहनों का आशीर्वाद लिया। बहनो ने भी भाइयों को विशेष भोजन कराया। साथ ही बहनों ने भाई की लंबी उम्र खुशहाल जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

उत्साह से मना भाई-दूज

खरगोन, निप्र। दीपावली पर्व रीति-रिवाज और परंपराओं को निभाने का उत्सव है। दीपावली के दूसरे दिन यम द्वितीया याने भाई- दूज गुरुवार को उमंग- उत्साह के साथ मनाई गई। यह त्यौहार भाई- बहन के पवित्र रिश्ते के प्रति एक सम्मान है जो इस बंधन को और भी मजबूत बनाता है। सुबह से ही विवाहित बहनों के घर भाईयों की आवाजाही देखी गई। बहनों ने भी भाई की अच्छी सेहत एवं उसके खुशहाल जीवन की कामना लिए व्रत रखा। भाई के घर पहुंचने पर उसे पकवानों का भोज कराने के बाद खुद भी ग्रहण किया। इसके बाद उन्हें उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उत्सव की खुशियां साझा की। इसके साथ ही 5 दिवसीय दीपोत्सव का समापन भी हो गया है।। उल्लेखनीय है कि भगवान सूर्य के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना दोनो भाई बहन है। किवदंती है कि यमराज ने यमुना की प्रार्थना पर कहा था कि जो भाई भाई दूज के दिन बहन के यहां तिलक करवाकर भोजन करेगा उसे मृत्यु के समय यमराज का भय नहीं रहता है।

सनावद-पुनासा मार्ग पर बन रहे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य ठप

सनावद, निप्र। सनावद-पुनासा मार्ग पर बन रहे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य एक बार फिर ठप हो गया है। सनावद पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास जहां कुछ दिनों पहले कार्य में तेजी दिखाई दे रही थी, वहां अब मशीनरी और मजदूरों की कमी के कारण साइट पर सन्नाटा पसर गया है। ठेकेदार ने दीपावली के त्योहार के बहाने कार्य रोक दिया है और वादा किया है कि त्योहार समाप्त होने के बाद काम फिर शुरू हो जाएगा। हालांकि, वर्तमान परिदृश्य में ऐसा कोई संकेत नजर नहीं आ रहा, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी असंतोष व्याप्त है। यह ओवर ब्रिज सनावद-पुनासा मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के लिए बनाया जा रहा है, जो क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहन और राहगीर गुजरते हैं, लेकिन क्रॉसिंग पर ट्रेनों के आने-जाने के कारण लंबे जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। निर्माण कार्य की शुरुआत पिछले वर्ष हुई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसमें कई बार विलंब हो चुका है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सूत्रों के अनुसार, ठेकेदार को समयसीमा का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन दीपावली के अवकाश के बाद भी प्रगति न होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

रेलवे क्रॉसिंग पर जस के तस हालात, जनता में उबाल

दूसरी ओर, सनावद-पुनासा मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग की स्थिति बद से बदतर बनी हुई है। गेट की मरम्मत न होने और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के अभाव में राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। किसान, छात्र और व्यापारी सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। एक स्थानीय किसान रामेश्वर पटेल ने बताया, यह क्रॉसिंग हमारी जान का दुश्मन बन चुकी है। एम्बुलेंस तक फंस जाती है, लेकिन प्रशासन सो रहा है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि यदि दीपावली के बाद भी ओवर ब्रिज का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन छेड़ देंगे। सनावद के सामाजिक कार्यकर्ता मोहन सिंह ने कहा, हमने पहले भी धरना दिया था। अब पीड़ित जनता दोबारा सड़क पर उतरेगी। रेलवे और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से मिलकर मांग रखेंगे कि काद्दर्य तत्काल चालू हो। स्थानीय स्तर पर एक समिति गठित की गई है, जो आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर रही है। क्षेत्रवासी चाहते हैं कि ओवर ब्रिज का निर्माण कम से कम 50% पूरा हो जाए ताकि आगामी सर्दी में राहत मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते हस्तक्षेप न किया गया, तो यह परियोजना वर्षों तक लटक सकती है। सनावद-पुनासा मार्ग न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा है, बल्कि ओमकारेश्वर जैसे तीर्थस्थलों से जुड़ाव भी बनाए रखता है।

डोर- टू-डोर वाहन चालकों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा

खरगोन, निप्र। लंबे समय से कलेक्टर दर की मांग कर रहे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन सफाईकर्मी एक बार फिर अपनी मांग को लेकर एकजुट हुए है। गुरुवार को सफाईकर्मियों ने नपा सीएमओ सहित सहित कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर उन्हें कलेक्टर दर से वेतन दिए जाने की मांग की। कलेक्ट्रेट पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि नपा कचरा वाहन संग्रहण व्यवस्था ठेका पद्धति से संचालित कर रही है। वर्तमान में सांई विजन कंपनी के जरिये व्यवस्था का संचालन हो रहा है। करीब 80 कर्मचारी नियमित रुप से अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके एवज में कंपनी द्वारा मनमाने रुप से मेहनताना दिया जा रहा है, जबकि ठेकेदार ने उन्हें आश्वस्त किया था कि कलेक्टर दर से 14 हजार 844 रुपए चालक एवं सहयोगी को 13 हजार 146 रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा, लेकिन अब कुशल- अकुशल का अडंगा डालकर, कई माह बीत जाने के बाद भी पूर्व की भांति ही वेतन दिया जा रहा है। हमारी मांग है कि कलेक्टर दर से वेतन दिया जाए जिससे वह खुद का और परिवार का भरण-पोषण कर सके।

आज से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे एलपीजी वितरक, काली पट्टी बांधकर कलेक्टर को सौपेंगे ज्ञापन

खरगोन, निप्र। दीपावली जैसे बड़े त्यौहार पर निर्बाध रुप से एलपीजी सिलेंडर सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराने के बाद अब एलपीजी वितरकों ने आर्थिक और व्यवसायिक समस्याओं को लेकर विरोध के स्वर मुखर कर दिए है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन अध्यक्ष विवेक पाटीदार, सचिव रितेश रोकड़े ने बताया कि लंबे समय से आर्थिक और व्यवसायिक समस्याओं से जुझ रहे वितरकों की शासन एवं कंपनी स्तर पर मांगों का निराकरण नही होने से चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत 24 अक्टूबर से की जा रही है। हमारी मांग है कि एलपीजी वितरकों के सेवा शुल्क एवं होम डिलेवरी प्रभार में वृद्धि की जाए, अन्यथा अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए बाध्य होंगे। सह-सचिव सुरेश पाटिल, उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ने बताया आंदोलन के तहत शुक्रवार को सभी वितरक एवं कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्यस्थल पर सेवाएं देंगे। इसके साथ ही दोपहर में जिलेभर के वितरक मुख्यालय पर एकत्रित होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे, यहां पेट्रोलियम मंत्रालय सचिव के नाम लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हरिशंकर मालाकार कोषाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने बताया यदि मांगें नही मान जाती है तो आंदोलन के दूसरे चरण में 29 अक्टूबर को शाम 7 बजे सभी वितरण जिला मुख्यालय पर मसाल/ मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद आंदोलन के तीसरे चरण में न पैसा जमा करेंगे न इंडेंट करेंगे। इसके बाद भी एलपीजी वितरकों के सेवा शुल्क एवं होम डिलेवरी प्रभार में वृद्धि नही कि जाती है तो अनिश्चितकालीन हड़ताल को बाध्य होंगे। इस दौरान ग्राहको को होने वाली असुविधा के लिए कंपनी और सरकार जिम्मेदार होगी।

प्रदेश में शत- प्रतिशत ई .पैक्स कंप्यूटरीकरण पूर्ण करने वाला पहला जिला बना खरगोन

खरगोन, निप्र। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाली समस्त 128 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां भारत सरकार की पैक्स कंप्यूटरीकरण योजना के अंतर्गत ई.पैक्स मोड पर कार्यरत हो गई हैं। इस उपलब्धि के साथ जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जिसकी सभी पैक्स पूर्णतः ई.पैक्स प्रणाली पर संचालित होंगी। बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री संध्या रोकड़े ने बताया कि ई.पैक्स मोड पर कार्य करने से समितियों की दक्षता, पारदर्शिता और कार्य क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस आधुनिक प्रणाली के माध्यम से पैक्स सदस्यों को त्वरित वित्तीय सेवाएं प्राप्त होंगी, संचालन लागत में कमी आएगी तथा वित्तीय समावेशन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। बैंक के प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता संभाग इंदौर बीएल मकवाना ने इस उपलब्धि पर सभी बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों, पैक्स प्रबंधकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों को बधाई देते हुए कहा कि यह खरगोन जिला बैंक की टीम भावना और समर्पित प्रयासों का परिणाम हैए जिसने प्रदेश में एक नई मिसाल कायम की है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक विजेंद्र पाटिल ने कहा कि नाबार्ड देशभर में प्राथमिक कृषि साख समितियों के कंप्यूटरीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एक नजर में — गिद्ध पक्षी भी विलुप्त हो चुका है

संकट ग्रस्त प्रजाति का काला मेंढक मंडलेश्वर में मिला

कमलेश चौहान

मंडलेश्वर। नगर कभी राष्ट्रीय पक्षी मोर की आवाज से गूंजा करता था और नर्मदा में सारस और सूस मछली की उपस्थिति भी हुआ करती थी। पर्यावरण प्रदूषण ने क्षेत्र की जैव विविधता ही बदल डाली है। हमारे जंगलों में तेंदुओं का कुनबा बढ़ा है जंगली सूअर और अन्य वन्य जीव की हलचल गांव और शहरों तक पहुंची है। इस तरह क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा रहा है। हाल ही में मंडलेश्वर के गुप्तेश्वर मंदिर परिसर में एक दुर्लभ प्रजाति का काला मेढक बुल फ्रॉग दिखाई दिया है। इसके बारे में आचार्य मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय के जूलॉजी विभाग के एच ओ डी प्राध्यापक डॉ प्रवीर पाण्डेय ने बताया कि यह विलुप्त हो रही प्रजाति बुल फ्रॉग का सदस्य है यह प्रायः पूर्वी एशिया के देशों भारत बांग्लादेश म्यानमार पाकिस्तान अफगानिस्तान नेपाल श्रीलंका मॉरिशस मेडागास्कर और उत्तरी अमरीका महाद्वीप में भी पाया जाता है। यह एकांत प्रिय और बड़े आकार का मांसल शरीर वाला जीव है जो पानी के अंदर झील कुंड के किनारे झाड़ियों में चूहे की तरह बिल बनाकर रहता है। यह रात में निकलता है कीड़े मकोड़े पक्षी और छोटे जानवर के साथ यह सांप भी खा जाता है। यह दुर्लभ जीव यहां कैसे पहुंचा इस पर प्राणीशास्त्री शास्त्री डॉ पाण्डेय ने कहा कि हो सकता है नर्मदा की बाढ़ में कही से बहकर आ गया हो मंदिर का शांत माहौल इसके अनुकूल है।

तीन चार दशक में गिद्ध सारस और सूस विलुप्त हुए मोर भी गायब

नर्मदा बेल्ट कभी विभिन्न जीव जंतुओं से आबाद था।पर्यावरण प्रेमी और थैंक यू नेचर के संस्थापक सदस्य दुर्गेश राजदीप ने बताया कि हमनें अपने बुजुर्गों से सुना था कि नर्मदा के ऐसी मछलियां होती थी जो मृत मनुष्य का शव खाती थी, जैसी ही कोई शव नर्मदा किनारे लाया जाता था इन मछलियों को पता चल जाता था ये अपना नुकीला मुंह पानी के बाहर निकालकर मंडराने लगा जाती थी। स्थानीय लोक इन मछलियों को सूस मछली कहते थे प्राणी शास्त्र के जानकार इन मछलियों को गंगा डॉल्फिन के नाम से जानते है जो अब नर्मदा से लगभग विलुप्त हो चुकी है।1980 के दशक में नर्मदा के टापुओं पर विशाल सारस पक्षी बहुतायत में दिखाई देते थे जो अब विलुप्त हो चुके है। गिद्ध पक्षी भी विलुप्त हो चुका है । राष्ट्रीय पक्षी मोर की आवाज से कभी नगर में भोर और सांझ होती थी लेकिन अब ये इक्का दुक्का कभी कभी दिखाई देते है। एक तरफ सारस और मोर जैसे पक्षी विलुप्ति की ओर है तो दूसरी ओर तेंदुए की उपस्थित नगर के चारों ओर देखी जा रही है। नर्मदा पट्टी के दोनों ओर तेंदुओं की उपस्थित से आम जन विशेषकर किसान प्रभावित हुआ है माकड़खेडा और बोथू में तेंदुओं का रेस्क्यू हो चुका है उसके बाद भी उनका कुनबा तेजी से बढ़ा है जो खलघाट से लेकर पीपलगोन क्षेत्र तक देखे गए है कसरावद और कोगांव में दो शावक वाहन दुर्घटना का शिकार हुए। काकड़दा के पास सड़क दुर्घटना में तेंदुआ मरने की घटना हो या भकलाय करही हर कही तेंदुए दिख रहे है।तेंदुओं की बढ़ती आबादी से आम जन और किसान प्रभावित हो रहा है साथ ही जंगली सुवर और नीलगाय से भी फसलें नष्ट हो रही है।